फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 247 प्रभात जयपुर, शनिवार 11 अप्रैल, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

She chose prison

Her answer shocked a nation. It ignited a debate that spread from India to England. And it helped change the law for millions of girls who would come after her

Care And Eat Its Fruit

Nair's Titanic, 1912

When people asked, he would say, "That was a ship that would not float!"

कांग्रेस व विपक्ष फंसा भाजपा के जाल में

महिला आरक्षण विधेयक में बाधक बनने की तोहमत से बचने के लिए, कांग्रेस ने महिला आरक्षण विधेयक को पारित करने का निर्णय लिया सी.डब्ल्यु.सी. की बैठक में

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 अप्रैल। मोदी सरकार ने महिला आरक्षण बिल को लेकर कांग्रेस और विपक्ष को चौंका दिया है, तथा विपक्ष के पास लगभग कोई विकल्प नहीं छोड़ा, सिवाय इसके कि वे इसका जोर-शोर से विरोध करें।

कांग्रेस कार्य समिति की बैठक शुक्रवार शाम को हुई, जिसमें सरकार द्वारा विधानसभा चुनाव के बीच 16 से 19 अप्रैल तक विशेष सत्र बुलाकर महिलाओं के आरक्षण बिल पारित करने पर चर्चा की गई। कांग्रेस ने 15 अप्रैल को सभी विपक्षी नेताओं की बैठक बुलाई है, ताकि यह तय किया जा सके कि बिल का विरोध किए बिना इसे संसद में कैसे रोकें।

- पर, शायद यह कांग्रेस को याद नहीं रहा कि सितंबर 2023 को सरकार ने विपक्ष की मदद से विधेयक पारित कराया था कि महिला आरक्षण विधेयक जनगणना व परिसीमन के बाद ही संसद में पेश किया जा सकता है
- अतः, अब कांग्रेस व विपक्ष पूरा जोर लगा रहे हैं, पर्याप्त संख्या इकट्ठी करने में, जिससे संविधान संशोधन विधेयक पारित न हो पाए।
- और, इससे अप्रत्यक्ष रूप से सीटों का परिसीमन हो जाएगा, जो दक्षिण भारत के राज्यों का राजनीतिक प्रभाव बहुत सीमित हो जाएगा और उत्तर भारत को ज्यादा संसदीय सीटें मिल जाएंगी।
- और, भाजपा सरकार का मकसद पूरा हो जाएगा।
- बंगाल व तमिलनाडु के चुनाव से पूर्व यह घटनाक्रम कांग्रेस व डीएमके के गठबंधन के बीच में दरार ला सकता है।

विपक्ष का विरोध आरक्षण बिल को लेकर नहीं है, बल्कि उस परिसीमन (डीलिमिटेशन) को लेकर है, जिसे सरकार ने बिना नई जनगणना करवाए प्रस्तावित किया है। यह 2011 की जनगणना पर आधारित है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नीतीश ने राज्यसभा की सदस्यता की शपथ ली

नई दिल्ली, 10 अप्रैल। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और राज्यसभा के निवर्तमान उपसभापति हरिवंश ने शुक्रवार को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ली। उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने संसद भवन में उनको शपथ दिलाई।

- निवर्तनमान उप सभापति हरिवंश ने भी राज्यसभा की सदस्यता की शपथ ली। उनका कार्यकाल खत्म हो गया है पर राष्ट्रपति ने उन्हें मनोनीत किया है राज्यसभा में।

इस अवसर पर सदन के नेता और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा, वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन, मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह, कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य जयराम रमेश, बिहार के उपमुख्यमंत्री

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईरान ने इस्लामाबाद वार्ता के लिए अपनी टीम की घोषणा नहीं की है

बल्कि, ईरान के संसद के स्पीकर गलीबाफ ने नई मांग रख दी है, उसके फंड्स (पैसे) जो अमेरिका व अन्य पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों के कारण, बैंकों में ''फ्रीज'' है, उन्हें रिलीज़ किया जाए

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 अप्रैल। जैसे-जैसे ईरान और अमेरिका के बीच पहली प्रत्यक्ष वार्ता का समय नजदीक आ रहा है, अनिश्चितताएँ बढ़ रही हैं। इससे सभी पक्षों में खासकर पश्चिम एशियाई पड़ोसियों में घबराहट फैल रही है, जिन्हें पिछले चालीस दिनों से जारी संघर्ष के दौरान लगातार ईरान की बमबारी का सामना करना पड़ा था।

ईरान ने अब तक अपनी वार्ता टीम का ऐलान नहीं किया है, जिससे इस्लामाबाद वार्ता में उसके भागीदारी को लेकर चिंताएँ बढ़ गई हैं। अमेरिकी वार्ता टीम का नेतृत्व उपराष्ट्रपति जे.डी. वैंस कर रहे हैं। इसमें ट्रंप के मध्य पूर्व विशेष दूत स्टीव विटकोफ और उनके

- ईरान के पैसे रिलीज़ करने की मांग पहले कभी नहीं उठाई गई थी। गलीबाफ ने बड़े ''सही'' समय पर यह मांग उठाई है।
- साथ ही ईरान जोर दे रहा है कि लेबनान का मुद्दा भी इस्लामाबाद शांति वार्ता में शामिल है। दूसरी और इज़रायल लगातार लेबनान पर बमबारी जारी रखे हुए है।
- गलीबाफ जानते हैं कि ईरान की ये शर्तें कभी भी स्वीकार नहीं होंगी, पर, इन शर्तों को अभी उठाकर ईरान और कई रियायतें स्वीकार करा लेगा, जैसे इन शर्तों के कारण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ को चालू करवाने की माँग दब गई है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'ट्रम्प ने इजरायल के दबाव में ईरान युद्ध शुरु किया'

इस्तांबुल, 10 अप्रैल। अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री जॉन केरी ने ईरान के साथ बढ़ ते तनाव को लेकर राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की नीति की तीखी आलोचना की है। उन्होंने मौजूदा सीज़फ़ायर को बेहद ढीला-ढाला बताया। उन्होंने चेतावनी दी कि हालात आगे चलकर वैश्विक अर्थव्यवस्था और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन सकते हैं।

पूर्व विदेश मंत्री ने विशेष रूप से होर्मुज़ जलडमरूमध्य की अनिश्चित स्थिति पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि यह संकट अंतरराष्ट्रीय तेल आपूर्ति और आर्थिक स्थिरता को बुरी तरह प्रभावित कर सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सीज़फायर दो पार्टियों के ''री ग्रुप'' (पुनः संगठित) होने का मौका मात्र है

- अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री जॉन कैरी ने ईरान युद्ध को लेकर टिप्पणी की।

अमेरिका को अवसर मिला है, यह आंकने का कि उसकी विशाल सेना की डिटरैंस (डराने की क्षमता) कितनी कारगर है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 अप्रैल। ईरान संघर्ष में, जिसकी परेंत खुल रही हैं, विश्व को क्या देखना चाहिए? तीन प्रमुख फॉल्ट लाइन्स सबसे महत्वपूर्ण हैं।

पहला, होर्मुज़ स्ट्रेट का भविष्य- क्या शिपिंग सामान्य स्थिति में लौटेगी या जबरदस्ती नियंत्रण के अधीन रहेगी। दूसरा है, संयुक्त राज्य अमेरिका और ईरान के बीच वर्तमान युद्धविराम, जिसे राजनीतिक समझौते के बजाय एक सामरिक विराम के रूप में अधिक समझा

- ईरान को यह आंकने का मौका मिला है कि वह अब दबाव बनाने की क्षमता को किस हद तक काम में ले सकता है, इससे पहले कि कोई शत्रु विध्वंसकारी कार्यवाही शुरु करे।
- भारत के लिए काफी कठिन समय है कि वह कैसे संतुलन बिठाए अमेरिका व ईरान के बीच। इसके लिए काफी कुटनीतिक चतुराई चाहिए। यह ऐसा समय है, जब तनाव ''मैनेज'' करना पड़ेगा, तनाव खत्म नहीं होगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जस्टिस यशवंत वर्मा ने इस्तीफा दिया

नई दिल्ली, 10 अप्रैल। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के जज जस्टिस वर्मा ने अपने पद से त्यागपत्र दे दिया है। जस्टिस वर्मा ने अपना त्यागपत्र राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भेजा है। जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग की कार्रवाई शुरू हो चुकी है। लोकसभा स्पीकर ने इस मामले में जजेज इन्क्वायरी एक्ट के तहत जांच कमेटी गठित कर दी है। लोकसभा स्पीकर की ओर से इन्क्वायरी के आदेश को

- जस्टिस वर्मा के खिलाफ संसद में महाभियोग की कार्यवाही शुरु हो चुकी है और जांच के खिलाफ दायर उनकी याचिका भी सुप्रीम कोर्ट में खारिज हो चुकी है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वनतारा ने वाइल्डलाइफ और वेटेरिनरी साइंस के लिए दुनिया की पहली ग्लोबल यूनिवर्सिटी लॉन्च की

आधुनिक गुरुकुल और उद्देश्य आधारित विश्वविद्यालय के रूप में कल्पित इस यूनिवर्सिटी का मकसद भारत को वाइल्डलाइफ और वेटेरिनरी एजुकेशन के लिए एक ग्लोबल हब बनाना है

जामनगर (गुजरात),। रिलायंस इंडस्ट्रीज़ के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अनंत अंबानी की बनाई ग्लोबल वाइल्डलाइफ कंज़र्वेशन ऑर्गनाइज़ेशन, वनतारा ने जामनगर, गुजरात में वनतारा यूनिवर्सिटी शुरू करने की घोषणा की है। यह वन्यजीव संरक्षण और पशु चिकित्सा विज्ञान को समर्पित दुनिया की पहली एकीकृत वैश्विक यूनिवर्सिटी होगी।

वनतारा यूनिवर्सिटी की नींव पशु कल्याण, वैज्ञानिक प्रगति और वन्यजीव संरक्षण पर आधारित है। इस संस्थान का लक्ष्य पशु चिकित्सा, संरक्षण और वन्यजीव देखभाल के क्षेत्र में भविष्य के लीडर्स तैयार करना है। इसका पाठ्यक्रम भारत की सदियों पुरानी ज्ञान परंपराओं का उपयोग करके शिक्षा का एक उद्देश्य-पूर्ण और भविष्य-उन्मुखी मॉडल तैयार करेगा।

अनंत अंबानी ने कहा, "संरक्षण का भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि हम लोगों और संस्थानों को करुणा, ज्ञान और कौशल के साथ जीवों की सेवा करने के लिए कैसे तैयार करते हैं। वनतारा यूनिवर्सिटी की परिकल्पना उस व्यक्तिगत अनुभव से प्रेरित है, जब मैंने संकट में पड़े पशुओं को करीब से देखा और उनकी बेहतर देखभाल के लिए अधिक क्षमता की आवश्यकता महसूस की। प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय की भावना और 'आ नो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतः' अर्थात् सभी दिशाओं से श्रेष्ठ विचार हमारे पास आएं, के आदर्शों से प्रेरित होकर यह विश्वविद्यालय हर जीवन की रक्षा के लिए समर्पित नई पीढ़ी तैयार करना चाहता है।"

इस विचार को प्रतीकात्मक रूप से दर्शाने के लिए आधारशिला स्थल के डिजाइन में दो बिजोलिया बलुआ पत्थरों को शामिल किया गया। ये पत्थर प्राचीन विंध्यन भू-विन्यास से लिए गए हैं, जो वर्तमान बिहार में स्थित प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय की भौगोलिक संरचना से जुड़े माने जाते हैं। ये भारत की ज्ञान और शिक्षा की सतत परंपरा का प्रतीक हैं।

हिंदू परंपराओं के अनुसार आयोजित इस शिलान्यास समारोह में शिक्षा, विज्ञान, संरक्षण और सार्वजनिक जीवन के प्रतिनिधियों के साथ-साथ अनंत अंबानी के शिक्षक और मार्गदर्शक भी शामिल हुए। समारोह का एक मुख्य आकर्षण मिट्टी, जल और पत्थरों को विधि-विधान से स्थापित करने की रस्म थी, जिसे शिलान्यास के एक प्रतीकात्मक कार्य के रूप में संपन्न किया गया। ये तत्व पूरे भारत के जैव-विविधता से समृद्ध विभिन्न भू-भागों से एकत्रित किए गए थे। जिनमें घास के मैदान, वन, आर्द्रभूमि, शुष्क पारिस्थितिकी तंत्र, तथा हिमालयी और देश के उत्तरी, दक्षिणी, पूर्वी, पश्चिमी और मध्य भागों में स्थित अन्य ऊँचाई वाले स्थान शामिल हैं। ये तत्व भारत की प्राकृतिक विविधता और विरासत को दर्शाते हैं।

वनतारा यूनिवर्सिटी एक ही शैक्षणिक ढांचे के भीतर विभिन्न विषयों को जोड़ेगी, जिसकी नींव वास्तविक संरक्षण कार्यों के अनुभव पर आधारित होगी। वनतारा के जमीनी अनुभवों को अकादमिक कार्यक्रमों, पेशेवर प्रशिक्षण और वैश्विक स्तर पर उपयोगी शिक्षा ढांचे में बदला जाएगा। करुणा, विज्ञान और संरक्षण के समन्वय के माध्यम से यह संस्थान ऐसे पेशेवर तैयार करेगा जो वन्यजीव और पारिस्थितिकी से जुड़ी जटिल चुनौतियों का समाधान कर सकें।

यूनिवर्सिटी अलग-अलग सब्जेक्ट्स में अंडरग्रेजुएट, पोस्टग्रेजुएट, फेलोशिप और स्पेशलाइज्ड प्रोग्राम ऑफर करेगी। इनमें वाइल्डलाइफ मेडिसिन और सर्जरी, न्यूट्रिशन, बिहेवियरल साइंसेज, जेनेटिक्स, एपिडेमियोलॉजी, वन हेल्थ, कंज़र्वेशन पॉलिसी और

नेचुरलिस्टिक एनिमल केयर एनवायरनमेंट डिज़ाइन शामिल हैं। वनतारा की कार्यक्षमता के अनुरूप विशेष कॉलेज भी स्थापित किए जाएंगे। साथ ही सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्तियां भी प्रदान की जाएंगी।

वनतारा यूनिवर्सिटी को एडवांस्ड एकेडमिक और क्लिनिकल इंफ्रास्ट्रक्चर, इंटरनेशनल कोलेबोरेशन और एक रेजिडेंशियल कैंपस से सपोर्ट मिलेगा।यह पशु कल्याण और उन्नत संरक्षण पद्धतियों को मजबूत करने के लिए कार्य-आधारित शोध पर ध्यान केंद्रित करेगी। शिक्षा मॉडल में प्राकृतिक आवासों (इन-सिटू) और संरक्षित वातावरण (एक्स-सिटू) संरक्षण को जोड़ा जाएगा, ताकि वैज्ञानिक देखभाल और दीर्घकालिक वन्यजीव प्रबंधन सुनिश्चित किया जा सके।

यह मानते हुए कि संरक्षण का भविष्य केवल जंगलों में ही नहीं, बल्कि कक्षाओं, प्रयोगशालाओं और मानव चेतना में भी तय होगा, विश्वविद्यालय वन्यजीव पशु चिकित्सा और संरक्षण शिक्षा को आगे बढ़ाने का लक्ष्य रखता है। साथ ही यह वन्यजीव स्वास्थ्य, पशु देखभाल वातावरण और संरक्षण से जुड़े ज्ञान संसाधनों के विकास का दीर्घकालिक मंच बनेगा।

शिलान्यास समारोह ने करुणा-आधारित संरक्षण शिक्षा को आगे बढ़ाने के व्यापक राष्ट्रीय प्रयास की शुरुआत भी दर्शाई। इस दौरान 'वनतारा यूनिवर्सिटी फाउंडिंग फेलोज' और 'एवरी लाइफ मैटर्स' छात्रवृत्ति कार्यक्रमों की घोषणा की गई, साथ ही ज्ञान का उपयोग केवल प्रगति के लिए नहीं बल्कि संरक्षण के लिए करने का आह्वान किया गया।

अपने दृष्टिकोण के अनुसार वनतारा यूनिवर्सिटी केवल एक शैक्षणिक संस्थान नहीं, बल्कि इस विचार का प्रतिनिधित्व करती है कि वन्य जीवन को केवल सराहना ही नहीं, बल्कि ज्ञान, मजबूत प्रणालियों और प्रशिक्षित हाथों की भी आवश्यकता होती है।